4384

M.A. (Previous) Examination, 2017

HINDI LITERATURE

Paper–IV

(आधुनिक काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(i) "एकमात्र उपमान तू, हैं अनेक उपमेय" इस पंक्ति में किन उपमेयों का किस उपमान से संबंध बताया गया है?

(ii) साकेत के रचनाकार की अन्य चार काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

इकाई-II

(iii) कामायनी के मुख्य पात्रों एवं उनसे संबंधित प्रतीकों के नाम लिखिए।

(iv) "काम मंगल से मंडित श्रेय, सर्ग इच्छा का है परिणाम" इस पंक्ति में कौन, किससे, क्या कह रहा है?

इकाई-III

(v) "क्योंकि युधिष्ठिर एक, सुयोधन अगणित अभी यहाँ हैं।" इस पंक्ति में कौन, किससे, क्या कह रहा है?

(vi) "आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर"। इस पंक्ति में कौन, किसे, किस तरह का उत्तर देने के लिए प्रेरित कर रहा है?

इकाई-IV

(vii) "सुनता हूँ मैं-पर मैं मुझसे परे" शब्द में लीयमान-पंक्ति का भाव बताइए।

(viii) "यह शोभा-यात्रा है किसी मृत्यु-दल की।" इस पंक्ति का आशय क्या है?

इकाई-V

(ix) छायावाद की दो प्रमुख परिभाषाएँ लिखिए।

(x) नयी कविता के दो प्रमुख तत्त्व लिखिए।

खण्ड-ब

निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इकाई-I

2. गत सुकाल के प्रत्यावर्तन हे शिखिनर्तन, बरसो।

जड़ चेतन में बिजली भर दो ओर उद्‌बोधन, बरसो।

चिन्मय बनें हमारे मृण्मय पुलकांकुर बन, बरसो।

मन्त्र पढ़ो, छींटे दो, जागे सोये जीवन, बरसो।

घट पूरो त्रिभुवनमानस रस, कन कन छन छन, बरसो।

आज भीगते ही घर पहुँचे, जन जन के जन बरसो।

अथवा

3. विषमता की पीड़ा से व्यस्त हो रहा स्पंदित विश्न महान,

यही दुख-सुख, विकास का सत्य यही भूमा का मधुमय दान।

नित्य समरसता का अधिकार उमड़ता कारण-जलधि समान,

व्यथा से नीली लहरों बीच बिखरते सुख-मणिगण द्युतिमान।

इकाई-II

4. स्वत्व माँगने से न मिले, संघात पाप हो जायें,

बोलो धर्मराज, शोषित वे जियें या कि मिट जायें?

न्यायोचित अधिकार माँगने से न मिलें, तो लड़के,

तेजस्वी छीनते समर को जीत, या कि खुद मर के!

अथवा

5. कुछ क्षणतक रहकर मौन सहज निज कोमल स्वर

बोले रघुमणि-"मित्रवर विजय होगी न समर;

यह नहीं रहा नर-वानर का राखस से रण,

उतरीं पा महाशक्ति रावण से आमंत्रण;

अन्याय जिधर है, हैं उधर शक्ति!" कहते छल-छल

हो गए नयन, कुछ बूँद पुनः ढलके दृगजल।

इकाई-III

6. अब तक क्या किया,

जीवन क्या जिया!!

बताओ तो किस-किसके लिए तुम दौड़ गए

करुणा के दृश्यों से हाय! मुँह मोड़ गए

बन गए पत्थर;

बहुत-बहुत ज्यादा लिया

दिया बहुत-बहुत कम;

मर गया देश, अरे, जीवित रह गए तुम!!

अथवा

7. सहसा वीणा झनझना उठी

संगीतकार की आँखों में ठंडी पिघली ज्वाला-सी झलक गई-

रोमांच एक बिजली-सा सब के तन में दौड़ गया।

अवतरित हुआ संगीत

स्वयंभू

जिसमें सोता है अखंड

ब्रह्मा का मौन

अशेष प्रभामय।

•

डूब गए सब एक साथ

सब अलग-अलग एकाकी पार तिरे।

इकाई-IV

8. "'अंधेरे में' कविता अँधेरे के विरुद्ध प्रकाश का संघर्ष है"-इस कथन के संदर्भ में कविता की समीक्षा कीजिए।

अथवा

9. ''आत्मदान 'असाध्य वीणा' का केन्द्रीय भाव है''-इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई-V

10. द्विवेदीयुगीन काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

11. छायावाद व्यक्तिवाद की कविता है-इस कथन के संदर्भ में छायावाद की शक्ति और सीमा पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-स

•

इकाई-I

12. '''साकेत' का नवम् सर्ग उर्मिला को समर्पित है'' सिद्ध कीजिए।

इकाई-II

13. श्रद्धा का चरित्र-चित्रण करते हुए प्रसाद की नारी-दृष्टि पर विचार कीजिए।

इकाई-III

14. '''कुरुक्षेत्र' समतामूलक शांति का पक्षधर काव्य है'' विस्तार से समझाइए।

इकाई-IV

15. 'राम की शक्तिपूजा' के भाव-पक्ष और कला-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

इकाई-V

16. प्रगतिवादी काव्यान्दोलन के उद्‌भव के कारण बताते हुए इसकी मुख्य विशेषताएँ लिखिए।